एस.एम.एस. अस्पताल में गलत ग्रुप का ब्लड चढ़ाने से महिला की मौत

अस्पताल प्रशासन ने जांच के लिए बनाई तीन सदस्यीय कमेटी, सोमवार को पेश करेगी रिपोर्ट

जयपुर। प्रदेश के सबसे बडे सवाई मानसिंह अस्पताल में एक बार फिर डॉक्टरों की लापरवाही से गलत ग्रुप का ब्लड चढ़ाने महिला की मौत होने का मामला सामने आया है। वहीं मृतका के परिजनों का आरोप है कि मृतका चैना का ब्लड ग्रुप बी-पॉजिटिव है जबकि उसे ए-पॉजिटिव ब्लड चढा दिया गया, जिसके चलते उसकी तबियत खराब हो गई और इलाज के दौरान उसने दम तोड दिया। वहीं दूसरी ओर डॉक्टर्स और अस्पताल प्रशासन का कहना है कि महिला की हालत पहले से ही गंभीर थी, जिसके चलते उसकी उसकी मौत हुई है। वहीं मामले की जांच के लिए अस्पताल अधीक्षक डॉ. सुशील भाटी ने तीन सदस्यीय जांच कमेटी बना दी है जो कि अगले तीन दिनों में मामले की जांच कर अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। कमेटी में एडिशनल रिक्त, मेडिसिन विभाग के एचडी और ब्लड बैंक के पचओडी शामिल है। इस मामले में राज्य मानवाधिकार आयोग ने भी सवाईमानसिंह अस्पताल के सुपरिटेंडेंट और प्राचार्य को नोटिस जारी कर लापरवाह चिकित्सक और चिकित्साकर्मियों के विरूद्ध प्रभावी कार्रवाई कर इसकी रिपोर्ट पेश करने के आदेश दिये हैं।

ये है पूरा मामला

जानकारी के अनुसार टोंक निवाई की रहने साली 23 वर्षीय चैना को प्रेगेंन्सी और टीबी रोग के कारण को 12 मई को एसएमएस अस्पताल की इमरजेंसी में भर्ती करवाया गया था। जहां उसका इलाज चल रहा था, डॉक्टरों से मिली जानकारी के अनुसार चैना को टीबी की बीमार थी, जिसके चलते उसको यूनिट-7 में भर्ती कर ऑक्सीजन सपोर्ट पर रखा था। हालत ज्यादा बिगड़ने के कारण पर महिला उसे बायपेप मशीन पर रखा गया, लेकिन जब रिलीफ नहीं मिला तो उसे 15 मई को वेंटिलेटर पर लिया गया था।

- **पहले भी हो चुकी है गलत ग्रुप के ब्लड चढाने मरीजों की मौत**
- **इस मामले में राज्य मानवाधिकार आयोग ने भी प्रसंज्ञान लिया**

19 मई को ही करवाई थी डिलीवरी

डॉक्टरों के मुताचिक महिला पांच माह की गर्भवती थी। उसने गर्भ में पल रहे बच्चे की हार्ट रेट नहीं आ रही थी। इसको देखते गायनी विभाग की डॉक्टर्स को बुलाकर 19 मई को वेटिलेटर पर रहते हुए महिला की डिलीवरी करवाई गई। डिलीवरी के तुरंत बाद ही महिला का होमोग्लोबिन नीचे आ गया। उसे ब्लड चढ़ाने की जरूरत बताई। सूत्रों के मुताबिक डॉक्टर्स ने मरीज परिजनों को ब्लड की जो पची दी थी, उसमें एचआईडी नंबर, मरीज का नाम लिखा था, लेकिन ब्लड ग्रुप को जानकारी नहीं लिखी थी। ब्लड बैंक से सैपले की जांच किए बिना जांचे ही उसे ब्लड चढा दिया। जिसके एक से दो मिनट बाद महिला का शरीर कांपने लगा। इसके बाद ब्लड की सप्लाई रोक कर फिर से ब्लड सैंपल के लिए भेजा गया। जांच में पता चला कि महिला का ब्लड ग्रुप बी-पॉजिटिव है जबकि उसे ए-पॉजिटिव ग्रुप का ब्लड चढाने से उसकी मौत हो गई वहीं दूसरी ओर डॉक्टर्स और अस्पताल प्रशासन का कहना है कि महिला की स्थिति पहले से ही बहुत गंभीर थी और इसी वजह से उसकी मौत हुई है।

पहले भी हो चुके हैं ऐसे कई मामले

22 फरवरी 2024 को भी दौसा निवासी सचिन को एसएमएस में गलत ग्रुप का ब्लड और प्लाजमा चढा देने के कारण उसकी मौत हो गई थी। जिसमें जिम्मेदार डॉक्टर्स और स्टाफ पर कार्यवाई भी हुई थी।

इसी प्रकार गत 4 दिसंबर 2024 को भी एसएमएस में भरतपुर निवासी 10 साल के मुस्तफा किडनी संबंधी बीमारी के इलाज के लिए भर्ती करवाया गया था, जहां दूसरे ही दिन 5 दिसंबर को गलत ग्रुप का ब्लड चढाने से मुस्तफा की मौत हो गई थी।

इनका कहना है :

महिला की हालत पहले से ही गंभीर थी और उसे बचाने का पूरा प्रयास किया गया, लेकिन हमें उसे बचा नहीं सके। गलत ग्रुप का ब्लड चढाने के मामले में तीन सदस्यता जांच कमेटी बनाई गई है, जो सोमवार को अपनी रिपोर्ट पेश करेगी।

सुशील भाटी, अधीक्षक, एसएमएस अस्पताल, जयपुर।

भाजपा में महिलाओं को वास्तविक सम्मान मिलता है : मंजू शर्मा

राजस्थान महिला कांग्रेस की प्रदेश महासचिव अरूणा गौड सहित सर्व समाज की 200 से अधिक महिलाओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

जयपुर। राजस्थान महिला कांग्रेस की प्रदेश महासचिव एवं ब्राह्मण महासभा की प्रदेश अध्यक्ष अरूणा गौड सहित 200 से अधिक महिलाओं ने आज भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। प्रदेश भाजपा कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में सांसद मंजू शर्मा और जयपुर जिलाध्यक्ष अमित गोयल, जयश्री गर्ग, रेखा राठौड़ और अनुराधा माहेश्वरी ने सभी को पार्टी का दुपट्टा पहनाकर सदस्यता ग्रहण करवाई।

इस अवसर पर सांसद मंजू शर्मा ने कहा कि भाजपा की रीति-नीति से प्रभावित होकर अरूणा गौड सहित अनेक महिलाएं पार्टी से जुड़ रही हैं। उन्होंने कहा, ''भाजपा ही एकमात्र ऐसी राजनीतिक पार्टी है, जहां महिलाओं को वास्तविक सम्मान और नेतृत्व का अवसर मिलता है।'' उन्होंने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश की महिलाएं पहले से अधिक सशक्त हो रही हैं और उन्हें सेना, प्रशासन और राजनीति में भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी जा रही हैं।

- **''ऑपरेशन सिंदूर'' की सफलता महिला सम्मान और राष्ट्रीय सुरक्षा की दिशा में मील का पत्थर : अमित गोयल**

सांसद शर्मा ने आगे कहा कि देश के इतिहास में पहली बार एक महिला अधिकारी ने सैन्य ऑपरेशन की जानकारी साझा की, जो महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा महिलाओं के लिए लागू की जा रही योजनाओं का भी उल्लेख किया।

भाजपा जयपुर शहर जिलाध्यक्ष अमित गोयल ने भाजपा में शामिल होने वाली महिलाओं का स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना की। उन्होंने कहा कि मोदी जी ने नारी शक्ति को सदैव प्राथमिकता दी है और पहलगाम हमले के बाद देश की बेटियों और बहनों के सम्मान की रक्षा के लिए कठोर निर्णय लिए। गोयल ने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी ने हमारी बहनों के सिंदूर का मान रखते हुए आतंकियों को मुंहतोड़ जवाब दिया। सेना ने 500 किलोमीटर तक पाकिस्तान की सीमा में घुसकर आतंकियों के गढ़ को नेस्तनाबूद किया। इससे साफ है कि देश की कमान अब मजबूत और निर्णायक नेतृत्व के हाथों में है।''

भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने के बाद अरूणा गौड ने कहा कि पहलगाम हमले ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया था, जबकि विपक्ष उस समय कुटिल कटाक्ष राजनीति कर रहा था। उन्होंने कहा, ''हमारी बहनों का सिंदूर उजाड़ने वालों को सबक सिखाने का काम प्रधानमंत्री मोदी ने किया। ऑपरेशन सिंदूर ने हमें झकझोर दिया और इसी से प्रेरित होकर आज हम सब महिलाएं भाजपा में शामिल हुई हैं।''

पुलिस कमिश्नरेट में जमकर हंसे पुलिस वाले

पुलिस कमिश्नरेट में लाफ्टर योगा में ट्रैफिक, थाने और लाइन के पुलिसकर्मियों ने हिस्सा लिया।

जयपुर। पुलिस कमिश्नरेट में शुक्रवार सुबह लाफ्टर योगा का आयोजन हुआ। जो हास्यम संस्था के सहयोग से आयोजित किया गया। इस मौके पर एडिशनल कमिश्नर एडमिन एंड ट्रैफिक योगेश दाधीच, डीसीपी हेडक्वार्टर देवेंद्र कुमार और डीसीपी ट्रैफिक शाहीन सी. सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। लाफ्टर योगा के जरिए चिकित्सकों और योगाचार्यों ने पुलिसकर्मियों को मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रहने के गुर सिखाए। इस आयोजन के दौरान पुलिसकर्मी जमकर हंसे। पुलिसकर्मियों को हंसता देख पुलिस अधिकारी भी खुद को रोक नहीं सके। हास्यम संस्था से जुड़े पदाधिकारियों ने एक के बाद कई क्रियाएं अपनाकर पुलिसकर्मियों को हंसाया। हंसने के फायदे बताए।

शोध के मुताबिक हंसने से शरीर में हैप्पी हार्मोन एंडोर्फिन का स्तर बढ़ता है। तनाव हार्मोन कोर्टिसोल का स्तर कम हो जाता है। एंडोर्फिन हमें खुश और रिलैक्स महसूस कराता है। इससे तनाव, चिंता और गुस्सा कम हो जाता है। हंसी शरीर में इम्यून सेल्स को एक्टिव करती है। प्रतिरक्षा तंत्र मजबूत होता है।

इस मौके पर एडिशनल कमिश्नर एडमिन एंड ट्रैफिक योगेश दाधीच ने कहा कि पुलिसकर्मियों में काम का तनाव रहता है। इसी तनाव को दूर करने के साथ ही मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रखने के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। समय-समय पर ऐसे आयोजन किए जाते रहे हैं, ऐसे कार्यक्रमों को रोजमर्रा में शामिल करने का प्रयास किया जाएगा। वहीं, लाफ्टर क्लब की सचिव डॉ.पूजा शर्मा ने कहा कि आज जिंदगी में भागदौड़ भरी जिंदगी में हंसी पीछे छूट गई है। उसको किसी तरह वापस लाने के लिए ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इससे लोगों को हंसा कर उनका तनाव दूर किया जा सके।

इस अवसर पर पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय) देवेन्द्र कुमार विश्नोई, यातायात शाहीन सी., अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय) शिल्पा चौधरी, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त यातायात राजेन्द्र सिंह सहित पुलिस अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

जोंगिन्दर सिंह अवाना ने प्रस्तुत किया पार्टी का विजन

जयपुर। एनडीए की सहयोगी पार्टी राष्ट्रीय लोकदल के नव नियुक्त राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष जोंगिन्दर सिंह अवाना ने आज जयपुर में आयोजित प्रेस वार्ता में पार्टी के भविष्य के रोडमैप और राजस्थान के लिए प्राथमिकताओं को साझा किया। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) त्रिलोक त्यागी की मौजूदगी में नदबई विधानसभा के पूर्व विधायक और किसानों के प्रबल समर्थक अवाना ने आरएलडी की स्व.चौधरी चरण सिंह और चौधरी अजीत सिंह के नेतृत्व में स्थापित किसान-केंद्रित विचारधारा को राजस्थान में और मजबूत करने का संकल्प लिया।

मीडिया को सम्बोधित करते हुए अवाना ने कहा कि हमारा लक्ष्य राष्ट्रीय लोकदल को राजस्थान में तीसरी सबसे बड़ी राजनीतिक ताकत के रूप में स्थापित करना है। इसके लिए हम भारत रत्न से सम्मानित पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चौधरी चरण सिंह की किसान हितैषी नीतियों को प्रदेश के हर कोने तक ले जाएंगे।

अवाना ने कहा कि आगामी माह से प्रदेशव्यापी दौरे शुरू करेंगे, ताकि पार्टी की किसान-युवा मजदूर हितैषी विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाया जा सके और पार्टी के संगठन को संभाग से बूथ स्तर पर मजबूत किया जा सके। इसके लिए आगामी दिनों में शीर्ष नेतृत्व से चर्चा कर रूपरेखा तैयार की जाएगी। अवाना ने कहा कि आने वाले समय में हमारी पार्टी किसानों, युवाओं और कमजोर वर्गों की आवाज बनकर राजस्थान में तीसरे सबसे बड़े विकल्प के रूप में उभरेगी। अवाना ने कहा कि हमारी पार्टी के संस्थापक भारत रत्न से सम्मानित पूर्व प्रधानमंत्री स्व.चौधरी चरण सिंह सिर्फ एक नेता नहीं, बल्कि किसानों के सच्चे मसीहा थे। उन्होंने अपने जीवन को ग्रामीण भारत और किसानों के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया। उनकी जमींदारी उन्मूलन और भूमि सुधार नीतियों ने लाखों किसानों को आर्थिक और सामाजिक आजादी दी।

साइबर ठगी से सावधान! एक फोटो या वीडियो से भी हो सकता है मोबाइल हैक

जयपुर। साइबर अपराधों की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए पुलिस महानिदेशक साइबर अपराध, हेमंत प्रियदर्शी के निर्देश पर राजस्थान पुलिस की साइबर विंग लगातार जागरूकता अभियान चला रही है। आमजन को मोबाइल पर आने वाले संदिग्ध फोटो, वीडियो और लिंक से सतर्क रहने की सलाह दी गई है। इन दिनों एक नई साइबर ठगी तेजी से फैल रही है, जिसमें अपराधी व्हाट्सएप या अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से संदिग्ध फोटो, वीडियो, ऑडियो या लिंक भेजते हैं। जैसे ही उपयोगकर्ता इन्हें ओपन या डाउनलोड करता है, फोन साइबर अपराधियों के कब्जे में चला जाता है और वह उसका दुरुपयोग कर बैंक खाते तक खाली कर सकते हैं।

साइबर कमांडो महेश कुमार ने बताया कि इस तकनीक को स्टेग्नोग्राफ़ी कहा जाता है, जिसका अर्थ है ''छिपाकर संदेश भेजना''। इस प्रक्रिया में फोटो, वीडियो या ऑडियो जैसी फाइलों में मैलिशियस कोड छुपा दिया जाता है, जो फाइल खोलते ही सक्रिय हो जाता है और उपयोगकर्ता का फोन हैक हो जाता है। फोन हैक होने के बाद आपके मैसेज, कॉल, ओटीपी, बैंकिंग ऐप्स और अन्य निजी डेटा साइबर अपराधियों के नियंत्रण में आ जाते हैं। कुछ मामलों में एपीके फाइल अपने आप फोन में इंस्टॉल हो जाती है, जो और भी खतरनाक है।

- **राजस्थान पुलिस की साइबर विंग लगातार जागरूकता अभियान चला रही है**

साइबर ठग फिशिंग लिंक के जरिए फर्जी ईमेल या मैसेज के माध्यम से आकर्षक ऑफर, लॉटरी या सरकारी योजना का लालच देकर लिंक भेजते हैं। लिंक पर क्लिक करने पर आप नकली वेबसाइट पर पहुंचते हैं, जहां मांगी गई जानकारी ठगों तक पहुंच जाती है। सोशल मीडिया डाउनलोडिंग स्कैम भी चल रहा है। इसमें ठग किसी की तस्वीर भेजते हैं और पहचानने को कहते हैं। जैसे ही आप फोटो डाउनलोड करते हैं, हैकर आपके मोबाइल और अकाउंट पर नियंत्रण पा लेता है।

साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों ने आमजन को निम्न सावधानियां बरतने की सलाह दी है। अनजान स्त्रोत से प्राप्त कोई भी फाइल (फोटो, ऑडियो, वीडियो, पीडीएफ, एपीके) डाउनलोड न करें। मीडिया ऑटो डाउनलोड सेटिंग बंद करें। फोन में अनचाही एप्स की जांच करें, यदि कोई अनजान ऐप दिखे तो तुरंत हटाएं। सोशल मीडिया और बैंक अकाउंट्स में टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन चालू करें फोन और ऐप्स को नियमित रूप से अपडेट करते रहें, ताकि सुरक्षा पैच सक्रिय रहें। यदि आप साइबर ठगी का शिकार हो जाते हैं, तो तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करें।

मदन राठौड़ ने दिवंगत रामशंकर सिंह बघेल को दी श्रद्धांजलि

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ शुक्रवार को आगरा अपने निजी सचिव संजय बघेल के चौसिंगी ग्राम स्थित आवास पर जाकर उनके पिता स्व. रामशंकर सिंह बघेल के निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की।

कंवरलाल मीणा प्रकरण में जूली ने पेश की याचिका

जयपुर। लोक सेवक पर हमला करने और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के मामले में अंता विधायक रहे कंवरलाल मीणा को बर्खास्त कर सीट को रिक्त घोषित नहीं करने पर हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई है। कांग्रेस के टीकाराम जूली ने याचिका दायर कर स्पीकर, निर्वाचन आयोग, मुख्य सचिव और कंवरलाल मीणा को पक्षकार बनाया है। हालांकि इस बीच स्पीकर की ओर से कंवरलाल मीणा को बर्खास्त करने पर याचिका एक तरह से सारहीन हो गई है।

याचिका में अधिवक्ता हिमांशु जैन ने बताया कि फरवरी, 2005 में तत्कालीन एसडीओ रामनिवास मेहता पर रिवाल्वर तानने और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के मामले में एडीजे अकलेरा ने 14 दिसंबर, 2020 को कंवरलाल को तीन साल की सजा सुनाई थी। वहीं हाईकोर्ट से याचिका खारिज होने के बाद कंवरलाल ने सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी की थी, लेकिन गत दिनों सुप्रीम कोर्ट ने भी याचिका को खारिज कर दिया। इसके बाद कंवरलाल ने गत दिनों आत्म समर्पण भी कर दिया है। याचिका में कहा गया कि दो साल से अधिक की सजा होने पर विधायक को बर्खास्त करने का प्रावधान है। इसके बावजूद भी स्पीकर ने अभी तक उन्हें पद से हटाकर अंता सीट को रिक्त घोषित नहीं किया है। जबकि याचिकाकर्ता ने इस संबंध में विधानसभा स्पीकर को अभ्यावेदन भी सौंप दिया था, लेकिन उस पर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई।

गुणातीत अवस्था में जीना ही सच्चा जीवन उपदेश : स्वामी रामदेव

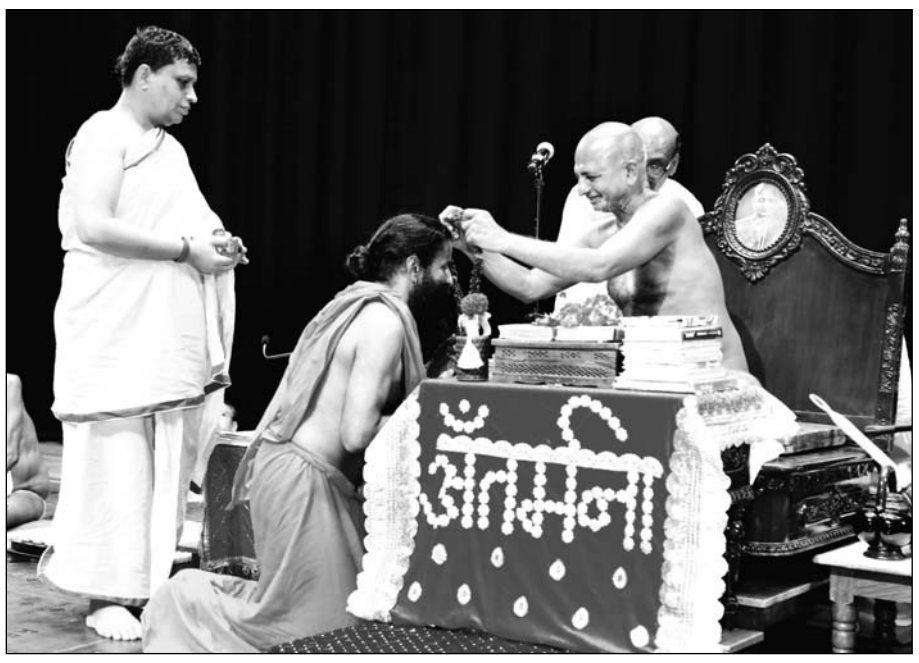

पतंजलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार के परिसर में स्वामी रामदेव ने आचार्य प्रसन्न सागर का आशीर्वाद लिया।

हरिद्वार। पतंजलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार के परिसर में आध्यात्मिक चेतना, दर्शन और धर्म-संवाद का एक विलक्षण दृश्य साकार हुआ,जब दिगंबर जैन परंपरा के प्रखर चिंतक, संत-शिरोमणि, अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागर का आगमन हुआ। पतंजलि विश्वविद्यालय में जैन मुनि के सम्मान में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें स्वामी रामदेव महाराज एवं आचार्य बालकृष्ण ने उनका भावपूर्ण अभिनंदन किया।

इस अवसर पर जैन मुनि ने कहा कि कहा कि स्वामी रामदेव तथा आचार्य बालकृष्ण मानवता के स्वास्थ्य, समाज की सम्पन्नता तथा विश्व सद्भावना के लिए निस्वार्थ भाव से पारमार्थिक कार्य कर रहे हैं। उन्होंने योग व आयुर्वेद की महति साधना की है। जैन मुनि ने प्रकृति, संस्कृति व विकृति की विस्तृत व्याख्या की। उन्होंने कहा कि प्रकृति व संस्कृति के अनुरूप जीवन जीएँ, विकृति में जीवन जीना दरिद्रता का प्रतीक है।

इस अवसर पर आयोजित समारोह में पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं विश्वविख्यात योगऋषि स्वामी रामदेव ने कहा कि अँतर्मना आचार्य प्रसन्न सागर का आगमन न केवल एक जैन संत का आगमन है, बल्कि यह समग्र भारतीय दर्शन के उस शुद्धतम चिंतन का उद्घोष है जो सनातन परंपरा की आत्मा है। पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलपति एवं प्रसिद्ध आयुर्वेदाचार्य आचार्य बालकृष्ण ने आचार्य श्री के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हुए संस्कृत में रचित आठ श्लोकों से युक्त प्रशस्ति-पत्र का सस्वर पाठ किया।

समारोह में जैन समाज की ओर से स्वामी रामदेव को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसी क्रम में पतंजलि विश्वविद्यालय की ओर से आचार्य प्रसन्न सागर को भी विशेष प्रशस्ति-पत्र भेंट किया गया,जो उनके त्याग,तप और समग्र मानवता के प्रति आध्यात्मिक समर्पण को समर्पित था।

आवेदन पत्र में संशोधन के लिए दिया पांच दिन का समय

जयपुर। पुलिस कांस्टेबल भर्ती के लिए विज्ञापित 10000 पदों के लिए आमंत्रित किए गए ऑनलाइन आवेदन पत्र में संशोधन एवं त्रुटि सुधार का अवसर प्रदान किया गया है। आगामी 26 मई से 30 मई तक निर्धारित शुल्क का भुगतान कर अभ्यर्थी अपने आवेदन में संशोधन कर सकेंगे। पुलिस मुख्यालय द्वारा की विभिन्न जिला, यूनिट एवं बटालियन में कांस्टेबल सामान्य, चालक, बैण्ड एवं पुलिस दूरसंचार के कांस्टेबल व चालक के 10000 रिक्त पदों पर भर्ती के लिए दिनांक 25 मई तक योग्य अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आमंत्रित किए गए है।

बिना उपकरण सीवरेज चैंबर की सफाई के चलते मौत पर मांगा जवाब

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश में बिना उपकरण मैन्युअल तरीके से सीवरेज चैंबर की सफाई के चलते आए दिन सफाई कर्मचारियों की मौत के मामले में स्वायत्त शासन सचिव, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता सचिव और राजस्थान सफाई कर्मचारी आयोग से जवाब तलब किया है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस आनंद शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश स्नेहांश फाउंडेशन की ओर से दायर जनहित याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। दूसरी ओर बीकानेर की वूलन मिल में सेप्टिक टैंक की सफाई करने उतरे तीन सफाई कर्मचारियों की मौत के मामले में राज्य मानवाधिकार आयोग ने भी स्वप्रेरणा से प्रसंज्ञान लेते हुए स्थानीय कलेक्टर, एसपी और मिल प्रबंधक से जवाब मांगा है।

- **बीकानेर में तीन सफाई कर्मियों की मौत पर राज्य मानवाधिकार आयोग ने भी लिया प्रसंज्ञान**

जनहित याचिका में अधिवक्ता पलक श्रीवास्तव ने अदालत को बताया कि प्रदेश में अधिकांश स्थानों पर सफाई कर्मचारी बिना उपकरण सीवरेज लाइन में उतर कर सफाई करते हैं। जिसके चलते कई बार इन सफाई कर्मचारियों की जहरीली गैस से मौत तक हो जाती है। हाल ही में सीकर के फतेहपुर और पाली सहित अन्य जगहों पर सफाई के दौरान कर्मचारियों की मौत हो गई। याचिका में कहा गया कि 31 जुलाई 2024 की केन्द्र सरकार की रिपोर्ट के अनुसार बीते पांच साल में 377 सफाई कर्मचारियों की मौत हो चुकी है। वहीं सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के आंकड़ों के अनुसार साल 2014 से 2019 तक 33 सफाई कर्मचारियों की सफाई के दौरान मौत हो चुकी है। इसके अलावा साल 2019 के बाद भी कई सफाई कर्मचारी इस दौरान अपना जीवन खो चुके हैं। इसके बावजूद भी राज्य सरकार की ओर से सीवर लाइनों की ऑटोमेटिक मशीन से सफाई नहीं की जा रही है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार राज्य सरकार ने साल 2020 में प्रदेश के बडे जिलों में सफाई उपकरण खरीदने के लिए 176 करोड रुपए स्वीकृत किए, लेकिन दौसा, भरतपुर और सीकर जिलों के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया। याचिका में गुहार की गई है कि सफाई के दौरान सुरक्षा मापदंडों को अपनाया जाना सुनिश्चित किया जाए। इसके अलावा मामले में एक उच्च स्तरीय कमेटी का गठन किया जाए तो नियमित तौर पर अदालत में अपनी रिपोर्ट पेश करे। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।